

## अध्याय ८

### आधारिक संरचना

आधारिक संरचना आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के उन मूल तत्वों को प्रकट करती है जो अर्थव्यवस्था की उत्पादन गतिविधियों में एक सहयोगी व्यवस्था के रूप में कार्य करते हैं।

आर्थिक आधारिक संरचना से अभिप्राय आर्थिक परिवर्तन के उन सभी तत्वों (जैसे शक्ति, परिवहन, तथा संचार) से है।

सामाजिक आधारिक संरचना से अभिप्राय सामाजिक परिवर्तन (जैसे स्कूल, कालेज, अस्पताल, नर्सिंग होम) के मूल तत्वों से है।

भारत में आधारिक संरचना की स्थिति – ऊर्जा (परम्परागत स्रोत), तथा गैर परम्परागत स्रोत दो भागों में विभाजित है।

स्वास्थ्य – स्वास्थ्य संपूर्ण शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक कल्याण की अवस्था है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद स्वास्थ्य सेवाओं का विकास –

- मृत्युदर में कमी
- शिशु मृत्यु दर में कमी
- औसत जीवन अवधि में वृद्धि
- जानलेवा बीमारियों पर नियंत्रण
- बच्चों की मृत्यु दर में कमी

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (१ अंक)

१. आधारिक संरचना क्या है?

आधारिक संरचना आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के उन मूल तत्वों को प्रकट करती है जो अर्थव्यवस्था की उत्पादन गतिविधियों में एक सहयोगी व्यवस्था के रूप में कार्य करते हैं।

२. आधारिक संरचना कितने भागों में विभाजित किया गया है?

- सामाजिक आधारिक संरचना।
- आर्थिक आधारिक संरचना।

३. वाणिज्यिक ऊर्जा के दो उदाहरण दीजिए।

- कोयला
- बिजली

४. गैर परम्परागत ऊर्जा के दो उदाहरण दीजिए।  
– सौर ऊर्जा                      – वायु ऊर्जा
५. बिजली उत्पादन के दो स्रोत कौन रहे?  
– जल विद्युत स्टेशन              – ताप विद्युत स्टेशन

**लघु उत्तरीय प्रश्न      (३-४ अंक)**

१. आर्थिक आधारिक संरचना को समझाइए।  
आर्थिक आधारिक संरचना से अभिप्राय आर्थिक परिवर्तन के उन सभी तत्वों से है जो आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया के लिए एक आधारशिला का कार्य करते हैं। अतः एव शक्ति स्फूर्ति की प्रचुर उपलब्धता उत्पादन प्रक्रिया की गति में वृद्धि लाती है।
२. ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों की व्याख्या कीजिए।  
कोयला – १९५०-५१ में भारत में कोयले का उत्पादन ३२८ लाख टन था जो २००६-०७ में बढ़कर ४,३०८ लाख टन हो गया।  
पेट्रोलियम – सन २००६-०७ में १.३२९ लाख टन की मांग की तुलना में पेट्रोलियम का कुल उत्पादन ३३० लाख टन था।
३. ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोतों को समझाइए।  
– सौर ऊर्जा                      – वायु ऊर्जा  
– वायोमान ऊर्जा              – जियोथर्मल ऊर्जा

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर      (६ अंक)**

१. ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों तथा गैर परम्परागत स्रोतों का समझाइए।  
परम्परागत स्रोत –  
कोयला, पेट्रोलियम तथा बिजली शामिल है।  
पिछले कई दशकों से कोयला तथा पेट्रोलियम का प्रयोग वातावरण की परवाह किए बिना है।  
वाणिज्यिक ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के रूप में इसका प्रयोग लम्बे समय से किया जा रहा है।  
ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोत –  
– इसके सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा, वायोमान आदि शामिल हैं।

- इनमें अधिकतर (अभी भी प्रायोगिक अवस्थ में है।
- वातावरण प्रदूषण को रोकने के दृष्टिकोण से प्रयोग।

२. भारत में शक्ति क्षेत्र कैसे एक आधारिक संरचना चुनौती है?

- |   |   |               |
|---|---|---------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>- बिजली का अपर्याप्त उत्पादन</li> <li>- क्षमता का कम उपयोग</li> <li>- बिजली बोर्डों को घाटे</li> </ul> | } | व्याख्या करें |
|---|---|---------------|

३. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद स्वास्थ्य सेवाओं के विकास का अवलोकन कीजिए।

- मृत्युदर में कमी
- शिशुमृत्यु दर में कमी
- औसत जीवन अवधि में वृद्धि
- जानलेवा बीमारियों पर नियन्त्रण
- बच्चों की मृत्यु दर में कमी